26 साल की महिला का हुआ हृदय प्रत्यारोपण

प्रसव के बाद कमजोर हो गई दिल की मांसपेशियां

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 19 मई. एम्स संस्थान के डॉक्टरों ने एक 26 वर्षीय महिला मरीज का सफलतापूर्वक हृदय प्रत्यारोपण किया. यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें प्रसव के बाद दिल की मांसपेशियां बेहद कमजोर हो जाती हैं और वह शरीर में खून को सही तरीके से पंप नहीं कर पाता है. इसे पोस्ट पार्टम डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी कहते हैं. जो कि दिल की एक गंभीर बीमारी मानी जाती है.

महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे 25 अप्रैल को एम्स में भर्ती किया गया था. जिसके बाद ही डॉक्टरों ने तुरंत प्रत्यारोपण की प्रक्रिया शुरू की. ऑपरेशन के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख और निरंतर निगरानी में मरीज के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हुआ. वहीं पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद 19 मई को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. बता दें एम्स भोपाल में यह चौथा सफल हृदय प्रत्यारोपण किया गया है. जो कि एक ब्रेन डेड मरीज के परिजनों के द्वारा अंगदान की सहमति के कारण संभव हो सका है.

यह बेहद जटिल और संवेदनशील ऑपरेशन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रोफेसर डॉक्टर माधवानन्द कर और चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ. विकास गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ. इस पूरे ट्रांसप्लांट को कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी यानी सीटीवीएस विभाग की विशेषज्ञ टीम ने उच्च तकनीक और आपसी समन्वय से पूरा किया. जिसमें डॉक्टर योगेश निवारिया, एम किशन, सुरेंद्र यादव, राहुल शर्मा, विक्रम वट्टी, आदित्य सिरोही और अंजलि तिवारी शामिल रहे. वहीं कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टर भूषण शाह और सुदेश प्रजापति ने भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई.

खेल के मैदान में हुनर चमका रहे युवा

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में समर कार्निवल का आयोजन

भोपाल,19 मई. आज के दौर में सिर्फ किताबी ज्ञान काफी नहीं है बल्कि बच्चों को आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार करने के लिए व्यावहारिक कौशल और तकनीकी समझ होना बेहद जरूरी है. इसी सोच के साथ राजधानी के स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में समर कार्निवल का आयोजन गया.

जिसमें बच्चे और युवा न सिर्फ अपनी छुट्टियों का सही इस्तेमाल कर रहे हैं बल्कि आधुनिक तकनीकों और खेल के मैदान में अपना हुनर भी निखार रहे हैं. इस समर कार्निवल का सबसे खास और आधुनिक आकर्षण फ्यूचर रेडी एआई बूटकैंप बना हुआ है. इसमें शामिल हो रहे युवा चैटजीपीटी और कैनवा एआई जैसे अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स के जरिए डिजिटल क्रिएटिविटी और तकनीक आधारित स्किल्स सीख रहे हैं.

> विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग की बारीकियां भी सिखाई जा रही हैं ताकि वे भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें. इसके साथ ही कुकिंग एंड बेकिंग कोर्स में बच्चे पिज्जा, सैंडविच, वाफल्स और स्मूदी जैसी पसंदीदा डिशेज बनाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट के गुर सीख रहे हैं. साथ ही कार्निवल में क्रिकेट और फुटबॉल स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत बच्चों को बैटिंग, बॉलिंग, फिटनेस और टीमवर्क की प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी जा रही है.

एक नजर में

चौहान और जयते हाउस ने दर्ज की प्रभावशाली जीत

भोपाल (खेल प्रतिनिधि). अरेरा प्रीमियर क्रिकेट लीग में मंगलवार को युवा खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया. अंडर-12 और अंडर-14 वर्ग के मुकाबलों में पृथ्वीराज चौहान हाउस और सत्यमेव जयते हाउस ने दमदार प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की. दिन के पहले मुकाबले में अंडर-12 वर्ग के अंतर्गत महाराणा प्रताप हाउस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 75 रन बनाए. कुलदीप गोंड ने 11 रन बनाए, जबकि ओजस ठाकुर और संस्कार रघुवंशी ने 9-9 रनों का योगदान दिया. लक्ष्य का पीछा करने उतरी पृथ्वीराज चौहान हाउस की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया. अनिका ने 23 रन बनाए और रितुल जैन 22 रन बनाकर अंत तक नाबाद रहे. दोनों बल्लेबाजों ने बिना कोई विकेट गंवाए टीम को 10 विकेट से शानदार जीत दिलाई. उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अनिका और रितुल जैन को संयुक्त रूप से प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. यह सम्मान सुनील पांडेय ने प्रदान किया. दूसरे मुकाबले में अंडर-14 वर्ग के तहत सत्यमेव जयते हाउस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 154 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया. आदित्य सोलंकी ने 39, अनवी श्रीवास्तव ने 29 और विवान द्विवेदी ने 22 रन बनाए. जवाब में जयहिंद हाउस की टीम समय - समय पर विकेट गंवाती रही और 100 रन पर सिमट गई. सुधीर अहिरवार ने 29 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके. सत्यमेव जयते की ओर से समर्थ थापक ने प्रभावी गेंदबाजी की और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

युवाओं ने सीखा बॉडी कंट्रोल और भावों पर नियंत्रण

भोपाल (नवभारत प्रतिनिधि). एकजुट थिएटर एंड वेलफेयर समिति द्वारा मायाराम सुरजन भवन में चल रही थिएटर कार्यशाला का 6वां दिन प्रतिभागियों के लिए बेहद अनुभवपूर्ण रहा. शाम 5 बजे से आयोजित इस विशेष सत्र में युवा रंगकर्मियों ने शरीर के संतुलन से लेकर भावों की गहराई तक का व्यावहारिक अभ्यास किया. कार्यशाला की शुरुआत बॉडी कंट्रोल और बॉडी मैकेनिज्म की बारीक समझ से हुई. जिसमें प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को बताया कि मंच पर शरीर का संतुलन, सांसों की लय और मांसपेशियों का नियंत्रण कितना अहम है. जिसके बाद अलग-अलग एक्सरसाइज के जरिए प्रतिभागियों ने खुद अनुभव किया, कि एक छोटा सा शारीरिक बदलाव अभिनय को कितना प्रभावशाली बना देता है. इसके बाद बच्चों ने भावनाओं पर कैसे नियंत्रण करना है, कैसे भावों को सही समय पर सही अभिव्यक्ति के साथ दिखाना है, इसको भी समझा. जिसके लिये प्रतिभागियों ने बिना किसी पूर्व तैयारी के मंच पर खुशी, गुस्सा, डर और करुणा जैसे भावों को जीवंत किया. जिससे उनकी अभिव्यक्ति को धार और मंच पर सहज रहने का आत्मविश्वास मिला. सत्र में प्रतिभागियों को मंचीय स्पेस के बारे में भी बताय गया, कि कैसे खाली मंच को अपनी कल्पना और शरीर की भाषा से रचा जाता है. सत्र में शामिल प्रतिभागियों ने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से उन्हे मंच में निखरने और खुद को टटोलने का सुनहरा अवसर मिल रहा है.

आर्टीजनों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू

विशेष संवाददाता

भोपाल, 19 मई. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड भोपाल इकाई के मानव संसाधन विकास केंद्र में नव-नियुक्त आर्टीजनों के लिए 12 दिवसीय एएम-2 ओरिएंटेशन मॉड्यूल का शुभारंभ किया गया. प्रवीण ट्रेनिंग मैनुअल के अंतर्गत आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 मई से 1 जून तक चलेगा.

कार्यक्रम का उद्घाटन महाप्रबंधक (मानव संसाधन) टी. यू. सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया. इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (एचआरडी) आरिफ अहमद सिद्दीकी तथा अपर महाप्रबंधक (एचआरएम) सुरेखा बंछोर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सिद्दीकी ने 300 दिवसीय प्रशिक्षण व्यवस्था की जानकारी दी और प्रशिक्षण को समर्पण एवं व्यावसायिक दक्षता के साथ पूर्ण करने का आह्वान किया. सुरेखा बंछोर ने कंपनी की प्रगति तथा ऑर्डर निष्पादन में नव-नियुक्त कर्मचारियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कौशल विकास पर जोर दिया. उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण से अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया. टी. यू. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मानव संसाधन टीम कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव उपलब्ध रहेगी. उन्होंने अनुशासन, बहु-कौशल विकास और नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया. इस दौरान एचआरडी वर्कशॉप टीम द्वारा तैयार प्रवीण ट्रेनिंग मैनुअल के हिंदी संस्करण का विमोचन भी किया गया, जिसे प्रशिक्षुओं को वितरित किया गया ताकि वे प्रशिक्षण सामग्री को बेहतर ढंग से समझ सकें.

'खाला कमाल की' के जरिए जरी-जरदोजी से जुड़ी महिलाओं को मिलेगा मंच

भोपाल. राजधानी में 21 मई को रवींद्र भवन में चर्चित सामाजिक नाटक 'खाला कमाल की' का मंचन किया जाएगा. वीमेन एजुकेशन एंपावरमेंट सोसायटी (वीज) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य भोपाल गैस त्रासदी से प्रभावित उन महिलाओं को सहयोग और पहचान दिलाना है, जो जरी-जरदोजी कला के माध्यम से अपना जीवन संवार रही हैं. मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में वीज की अध्यक्ष रख्शान शमीम ज़ाहिद ने पहले 'विशिष्ट सेवा सम्मान 2026' भी आयोजित होगा, जिसमें जरी-जरदोजी और जूट कला को बढ़ावा देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा.

महिला सशक्तिकरण पर जोर

मैनिट में कार्यशाला और संगोष्ठी का आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 19 मई. जब तक समाज का आखिरी व्यक्ति विकास की मुख्यधारा से नहीं जुड़ेगा, तब तक सतत विकास का सपना अधूरा है. इसी मूलमंत्र और किसी को भी पीछे न छोड़ने के संकल्प के साथ मैनिट में 5 दिवसीय कार्यशाला और शोध संगोष्ठी के दूसरे विस्तार से चर्चा हुई.

संगोष्ठी में मप्र राज्य नीति आयोग और जीआईजेड इंडिया के सहयोग से संगोष्ठी में देश-दुनिया के विशेषज्ञों ने समावेशी विकास, लैंगिक समानता, बाल कल्याण और उद्यमिता जैसे गंभीर विषयों पर अपनी बात रखी. कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र महिला की राज्य प्रमुख जोयात्री राय ने सुरक्षित शहरों, सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों और महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर जोर दिया. विशेषज्ञ हिमांशु गुप्ता ने कमजोर वर्गों की पहचान करने और उनके लिए न्यायसंगत विकास रणनीतियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया. यूनिसेफ की नीति विशेषज्ञ पूजा सिंह ने बच्चों और समुदायों में निवेश को मानव विकास के लिए सबसे जरूरी बताया. उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और बाल संरक्षण के माध्यम से हर बच्चे को विकास की मुख्यधारा मां शामिल करने की बात कही. इसके साथ ही जितेंद्र वर्मा ने सतत विकास की चुनौतियों से निपटने के लिए युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता की सोच विकसित करने पर जोर दिया.

रिदम सक्सेना ने जीता स्वर्ण एवं कांस्य पदक

भोपाल, 19 मई. नगर के होनहार कराते खिलाड़ी रिदम सक्सेना ने दिल्ली स्थित ताल कटोरा स्टेडियम में16 एवं 17 मई को आयोजित इंडिया ओपन कराते चैम्पियनशिप इंटरनेशनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए काता वर्ग में स्वर्ण पदक एवं कुमिते वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त कर नगर का नाम गौरवान्वित किया है.

रिदम विदिशा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता नितिन सक्सेना एवं शिक्षिका नेहा सक्सेना के सुपुत्र हैं. वे वर्तमान में राया कराते अकादमी में कोच राम मिश्रा एवं यशस्वी रौतेला के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. रिदम इससे पूर्व भी कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं. उन्होंने मई 2025 में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक तथा नवंबर 2025 में हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था.

अंडर-18 टीम में दिख रही है भविष्य की चमक : टिम

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 19 मई. भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच टिम व्हाइट ने भोपाल में चल रही भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 महिला हॉकी श्रृंखला के दौरान युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की. उन्होंने कहा कि इस टीम में भारतीय हॉकी का उज्ज्वल भविष्य नजर आता है और अंडर-18 टीम की मुख्य कोच रानी रामपाल खिलाड़ियों के साथ शानदार काम कर रही हैं.

टिम व्हाइट इन दिनों भोपाल में मैचों का निरीक्षण कर रहे हैं. मैदान पर खिलाड़ियों को करीब से देखने के बाद उन्होंने कहा कि अंडर-18 टीम भारत की प्रतिभा की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है, क्योंकि यहीं से खिलाड़ी आगे जूनियर और फिर सीनियर टीम तक पहुंचते हैं. उन्होंने कहा, मैं खास तौर पर इस टीम को देखने भोपाल आया हूं. रानी खिलाड़ियों को बहुत अच्छी तरह तैयार कर रही हैं. इस टीम में कई 15 और 16 वर्ष की खिलाड़ी हैं, जिनमें काफी संभावनाएं हैं. पहले और दूसरे मैच के बीच इन खिलाड़ियों में जो सुधार दिखा, वह बेहद उत्साहजनक है.

व्हाइट ने बताया कि उन्होंने करीब छह सप्ताह पहले बेंगलुरु स्थित भारतीय जूनियर महिला टीम के प्रशिक्षण शिविर की जिम्मेदारी संभाली है. उनका लक्ष्य खिलाड़ियों को आधुनिक और तेज हॉकी खेलने के लिए तैयार करना है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन कर सकें.

> उन्होंने कहा कि सितंबर में चीन में होने वाले जूनियर महिला एशिया कप को ध्यान में रखते हुए टीम को तैयार किया जा रहा है. हालांकि उनका मानना है कि जूनियर स्तर पर केवल पदक जीतना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों को इस तरह विकसित करना ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वे भविष्य में सीनियर भारतीय टीम के लिए प्रभावी योगदान दे सकें. टिम व्हाइट ने यह भी कहा कि भारत की अकादमी और हॉस्टल आधारित प्रणाली देशभर की प्रतिभाओं को आगे लाने में अहम भूमिका निभा रही है.

ऑरेंज हाउस ने फाइनल में बनाई जगह

जूनियरु ग्रीन हाउस को 9 विकेट से हराया

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 19 मई. स्थानीय बाबे अली क्रिकेट स्टेडियम में खेली जा रही सेंट माइकल इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में सेंट माइकल जूनियर ऑरेंज हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर ग्रीन हाउस को 9 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया.

सुबह खेले गए मुकाबले में जूनियर ग्रीन हाउस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. टीम ने निर्धारित ओवरों में 157 रन बनाए. रेहान ने सर्वाधिक 48 रन बनाए, जबकि अनिरुद्ध ने 21 और कुश ने 20 रनों का योगदान दिया. ऑरेंज हाउस की ओर से अक्षय ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए. आफताब ने भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट हासिल किए और ग्रीन हाउस की पारी को बड़ा स्कोर बनाने से रोका. 158 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑरेंज हाउस की शुरुआत आत्मविश्वास से भरी रही. हुजैफा खान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 77 रनों की नाबाद पारी खेली. उन्हें शमी के 26 और शशांक के 20 रनों का अच्छा साथ मिला. टीम ने केवल एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और 9 विकेट से प्रभावशाली जीत दर्ज की. मैच के बाद आयोजित संक्षिप्त समारोह में हुजैफा खान और अक्षय को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच चुना गया.

विश्व संग्रहालय दिवस पर हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

भोपाल, 19 मई. विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में संग्रहालयों और संस्कृति से जुड़े कई रोचक प्रश्न पूछे गए. प्रश्नोत्तरी का संचालन सुधा दुबे ने किया.कार्यक्रम की थीम 'विभाजित विश्व को एकजुट करने में संग्रहालय की भूमिका' रही.

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव एमएम उपाध्याय ने की. मुख्य अतिथि सूचना आयोग के राजेश भट्ट तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं पुरातत्ववेत्ता सुभाष अत्रे रहे.अत्रे ने संग्रहालयों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत का पहला संग्रहालय कोलकाता में शुरू हुआ था. उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश में लगभग 280 संग्रहालय हैं. राजेश भट्ट ने आकाशवाणी के दुर्लभ संग्रह की जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली और भोपाल में विशेष तिजोरियों में महत्वपूर्ण भाषणों और कार्यक्रमों का सुरक्षित संग्रह रखा गया है. एम एम उपाध्याय ने कहा कि हर घर अपने आप में एक संग्रहालय है क्योंकि लोग अपने पूर्वजों की पुरानी वस्तुओं को संभालकर रखते हैं.

> प्रतियोगिता में पांच समूहों के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया. दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय ने प्रथम, राज्य संग्रहालय ने द्वितीय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. विजेताओं को क्रमशः 2100, 1100 और 700 रुपये की सम्मान राशि तथा प्रमाण पत्र दिए गए .स्वागत भाषण संग्रहालय की सचिव करुणा राजुरकर ने दिया. अंत में संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव वामनकर ने आभार व्यक्त किया.

आत्मसम्मान की रक्षा के लिए त्याग जरूरी : आचार्य

भोपाल. पुरुषोत्तम मास के अवसर पर श्री पिपलेश्वर महादेव मंदिर में चल रही श्री महापुराण कथा के तीसरे दिन वृंदावन से आए आचार्य विवेक महाराज ने माता सती के जीवन प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया. कथा सुनने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा. आचार्य विवेक महाराज ने कहा कि माता सती का जीवन हमें धर्म, सत्य और आत्मसम्मान की रक्षा का संदेश देता है. उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने सम्मान और धर्म की रक्षा के लिए हर परिस्थिति में दृढ़ रहना चाहिए. सनातन संस्कृति में आदर्श नारी को सती की उपाधि इसी कारण दी जाती है. उन्होंने माता सती के चरित्र को नारी शक्ति, श्रद्धा, समर्पण और स्वाभिमान का प्रतीक बताया.

जल गंगा संवर्धन अभियान | उज्जैन में मैथिली ठाकुर बिखेरेंगी सुरों का जादू

नौ देशों के राजदूतों की मौजूदगी में मनेगा सदानीरा समागम

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 19 मई. प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये गये कार्यों की सफलता पर राजधानी और उज्जैन में आयोजन किया जा रहा हैं. जिसकी जानकारी मंगलवार दोपहर को रवींद्र भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला और संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने संयुक्त रूप से साझा की.

अतिरिक्त मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि वीर भारत न्यास द्वारा राजधानी के भारत भवन में 27 मई से 2 जून तक 7 दिवसीय सदानीरा समागम का आयोजन किया जा रहा है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में फिजी, त्रिनिदाद और टोबैगो, वेनेजुएला, मैक्सिको, सूरीनाम, इक्वाडोर, साइप्रस और नेपाल सहित कुल 9 देशों के राजनयिक प्रतिनिधि और राजदूत शामिल होने आ रहे हैं. जो कि देश में अपनी तरह का पहला आयोजन है, जहां जल संरक्षण को लेकर इसरो, टाटा ट्रस्ट, ओएनजीसी, वेदांता ग्रुप, जेके सीमेंट, जेएसडब्ल्यू और हिंदुस्तान पावर जैसी देश की दिग्गज कंपनियों के प्रतिनिधि एक मंच पर आकर विमर्श करेंगे. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 27 मई को शाम 7 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा. इस दौरान कार्यक्रम में इसरो हैदराबाद के भू विज्ञान समूह के निदेशक डॉ. ईश्वर चंद्र दास विशेष अतिथि और अध्यक्षता संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी करेंगे.

30 डाक्यूमेंट्री और 6 पुस्तकों का होगा विमोचन

प्रेसवार्ता में श्रीराम तिवारी ने बताया कि सदानीरा समागम के दौरान भारत भवन में भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत यानी जल, पृथ्वी, वायु, आकाश और अग्नि पर आधारित कई बौद्धिक सत्र होंगे. इसके साथ ही हर दिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी, जिसमें दक्षिण कोरिया की मूट डांस कंपनी की नृत्य प्रस्तुति विशेष आकर्षण रहेगी. तो समारोह के अंतर्गत 28 मई से दो जून तक प्रवाह फिल्म समारोह का आयोजन किया जाएगा. जिसमें जल संकट और नदियों पर केंद्रित हिंदी और अंग्रेजी की 30 डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन होगा. इसके साथ ही जल और जीवन पर केंद्रित 4 राष्ट्रीय प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी और 6 नई पुस्तकों का विमोचन भी किया जाएगा.

> **उज्जैन में सीएम शिप्रा को चुनरी अर्पित करेंगे**
>
> उज्जैन में 25 और 26 मई को गंगा दशमी के पावन अवसर पर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें परिक्रमा के समापन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव श्रद्धालुओं की उपस्थिति में मां शिप्रा को 300 फीट की चुनरी अर्पित करेंगे. 26 मई को सुप्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर के भजनों की प्रस्तुति होगी.